आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 35 लखनऊ, रविवार 21 दिसम्बर 2025 सा 27 दिसम्बर 2025 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि लोगों को विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाय। ऐसे एजेंटों से पीड़ितों का पूरा पैसा भी वापस कराया जाय। उन्होंने विदेश भेजने के नाम पर फ्रॉड करने वालों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार सुबह कड़ाके की ठंड में आयोजित जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने करीब २५० लोगों से मुलाकात की। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी निराकरण कराया जाएगा। जनता दर्शन में

आई एक महिला ने परिवार के एक सदस्य को विदेश भेजने के नाम पर एजेंट द्वारा ठगी किए जाने का मामला मुख्यमंत्री को बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित का पैसा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला को भी समझाते हुए कहा, विदेश जाने के नाम पर एजेंटों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। गलत तरीके से जाने पर लोगों को वहां जेल में रहना पड़ जाता है। जनता दर्शन में आए पुलिस से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार–दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हुए च कलेट दिया।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग की दो वर्षीय कार्ययोजना पर मंथन, २०२७ तक बालश्रम मुक्त प्रदेश का लक्ष्यः अनिल राजभर

लखनऊ। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर की अध्यक्षता में विधान भवन स्थित सभाकक्ष– ८० में श्रम एवं सेवायोजन विभाग की आगामी दो वर्षों की भविष्योन्मुखी प्रस्तावित कार्ययोजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्यमंत्री श्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) भी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अनिल राजभर ने श्रमिक हितकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार–प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि जनपद, तहसील, विकासखण्ड मुख्यालयों एवं बस स्टेशनों

जैसे सार्वजनिक स्थलों पर होर्डिंग, बैनर व स्टैण्डी के माध्यम से योजनाओं की जानकारी जन–जन तक पहुंचाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक संकल्प पत्र के अनुरूप सभी विभागीय कार्य निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण किए जाएं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का संकल्प है कि वर्ष २०२७ तक उत्तर प्रदेश को बालश्रम से मुक्त किया जाए, जिसके लिए विशेष प्रयास आवश्यक हैं। साथ ही प्रत्येक कार्ययोजना के लिए समय–सीमा तय कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपदों में स्थापित लेबर अड्डों के समुचित विकास, वहां पेयजल व छांव की व्यवस्था, तथा सराय योजना को गति देते हुए शीघ्र शिलान्यास कराने पर बल दिया। मंत्री ने विभाग द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए प्रमुख सचिव सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी और आगे भी इसी गति से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में श्रम विभाग की आगामी दो वर्षों की कार्ययोजना के अंतर्गत कारखानों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं तेज करने, महिला कर्मकारों को सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराने, सेफ्टी अ डिट को मान्यता देने, कर्मकारों को नियुक्ति पत्र देने तथा कार्यस्थल सुरक्षा व स्वास्थ्य मानचित्र के सु ढ़ीकरण जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सेवायोजन विभाग की कार्ययोजना में उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत देश–विदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने, ५० हजार अभ्यर्थियों को विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देने, विभिन्न देशों से एमओयू करने, लखनऊ में इंटीग्रेटेड फैसिलिटेशन सेंटर की स्थापना तथा दो वर्षों में लगभग ६ लाख अभ्यर्थियों को देश में और ५० हजार को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं, मोबाइल स्वास्थ्य सुरक्षा, जीआईएस सर्वेक्षण, श्रमिक बच्चों के लिए पुस्तकालय व छात्रावास तथा न्यूनतम दरों पर पोषण आहार उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश में १२ नए औषधालय एवं ५ कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालयों की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एम.के. शन्मुग सुन्दरम ने मंत्रीगणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विभाग की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की

KGMU लखनऊ का २१वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, जेपी नड्डा बोलें भारत आज वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्वकर्ता

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU), लखनऊ का २१वां दीक्षांत समारोह अटल बिहारी वाजपेयी वैज्ञानिक कन्वेंशन सेंटर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्थानों और डिजिटल सुविधाओं के कारण भारत न केवल देश बल्कि विदेशों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को भी पूरा कर रहा है। कोविन प्लेटफॉर्म और डिजिटल वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट को उन्होंने बदलते भारत और

डिजिटल इंडिया का उदाहरण बताया। श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना को विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना बताते हुए कहा कि इसके अंतर्गत ६२ करोड़ लोगों को घ्५ लाख तक का स्वास्थ्य कवरेज प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ७० वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को, बिना किसी भेदभाव के, आजीवन स्वास्थ्य सुरक्षा दी जा रही है। मेडिकल शिक्षा में हो रहे विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहां पहले देश में केवल एक एम्स और ३८७ मेडिकल क लेज थे, वहीं आज २३ एम्स और ८१६ मेडिकल कॉलेज हैं। एमबीबीएस और पीजी सीटों में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई है तथा २०२६ तक ७५ हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटें जोड़ने का लक्ष्य है। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने KGMU को Institute of National mportance का दर्जा दिए जाने का आग्रह किया। समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों से उत्तीर्ण २,४४१ छात्र–छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। ८१ छात्र–छात्राओं एवं एक संकाय सदस्य को उत्कृट शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं शोध उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद को डॉक्टर अ फ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश कुमार पाठक, राज्य मंत्री श्री मायंकश्वर शरण सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और शपथ ग्रहण के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

सम्पादकीय

राहत से बड़ा सवाल ईडी की कार्यप्रणाली पर

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को मिली हालिया राहत केवल एक अदालती फैसला नहीं, बल्कि जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर एक गंभीर टिप्पणी है। मीडिया की सुर्खियों में भले ही इसे श्नेताओं को मिली राहतश के तौर पर पेश किया गया हो, लेकिन दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट के निर्णय का असली सार उस प्रक्रियागत विफलता में छिपा है, जिसने प्रवर्तन निदेशालय (ED) को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अदालत द्वारा ईडी की चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार करना कोई तकनीकी आधार मात्र नहीं है। जज विशाल गोगने ने स्पष्ट किया कि इस मामले की कानूनी नींव यानी एफआईआर (FIR) ही दोषपूर्ण थी। दरअसल, यह पूरा मामला भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी द्वारा दर्ज कराई गई एक निजी शिकायत पर आधारित था। नियमतः 'मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून' (PMLA) के तहत ईडी किसी निजी शिकायत को आध ार बनाकर सीधे चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकती। आश्चर्यजनक यह है कि ईडी जैसी विशेषज्ञ एजेंसी ने अपनी ओर से कोई स्वतंत्र एफआईआर दर्ज किए बिना, केवल निजी समन के आधार पर जांच की इमारत खड़ी कर दी। कोर्ट का यह निष्कर्ष ईडी की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाता हैरू क्या देश की सबसे ताकतवर जांच एजेंसी के अधिकारियों को कानून की इन बुनियादी धाराओं का ज्ञान नहीं था? या फिर, विपक्ष के नेताओं को घेरने के उत्साह में नियमों को दरकिनार करना एक सोची–समझी रणनीति का हिस्सा था? बीते कई वर्षों से नेशनल हेराल्ड मामले को सत्ताधारी दल और उसके समर्थक तंत्र द्वारा गांधी परिवार के श्भ्रष्टाचारश के सबसे बड़े प्रमाण के रूप में पेश किया जाता रहा। इसी मामले की आड़ में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से घंटों पूछताछ हुई, जिसे मीडिया ट्रायल के जरिए एक बड़े राजनीतिक तमाशे में तब्दील कर दिया गया। लेकिन अब जब यह तथ्य सामने आया है कि जिस मामले में यह पूरी कवायद हुई, उसकी कानूनी प्रक्रिया ही वैध नहीं थी, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि इस दौरान हुई प्रताड़ना और चरित्र हनन की जिम्मेदारी किसकी है? किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में, अधिकारों का ऐसा दुरुपयोग करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। यदि जांच एजेंसियां प्रक्रिया का पालन करने के बजाय राजनीतिक आकाओं के इशारों पर काम करने लगें, तो न्याय व्यवस्था का संतुलन बिगड़ना तय है। विडंबना यह है कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में सुधार की गुंजाइश कम ही दिखती है। पूरी संभावना है कि इस कानूनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय, ऊपरी अदालत में अपील का रास्ता चुनकर इस बुनियादी सवाल को फिर से ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। यह फैसला केवल कांग्रेस नेताओं की जीत नहीं है, बल्कि यह उस 'सिलेक्टिव' जांच प्रक्रिया के लिए एक आईना है, जो निष्पक्षता के बजाय एजेंडे से प्रेरित नजर आती है।

संस्कृति में होती है राष्ट्र की आत्मा : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र की आत्मा उसकी संसेंति में होती है। उन्होंने कहा कि जैसे किसी मनुष्य की आत्मा उसके शरीर से संबंध तोड़ देती है तो शरीर निस्तेज हो जाता है, उसी प्रकार राष्ट्र के जीवन में भी होता है। किसी भी राष्ट्र की संसेंति को उससे अलग कर दिया जाए तो राष्ट्र निस्तेज हो जाता है। वह खंडहर में परिवर्तित हो जाता है और अपनी पहचान को खो देता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भातखंडे संसेंति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में कहा कि यह अवसर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनके अनुसार, भारत की कला, स्वर व लय ने अपनी पहचान को विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए जो निरंतरता दी, उसी के बदौलत हमारी सनातन संस्कृति विश्व में खुद को स्थापित करने और आगे बढ़ाने में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि कलाकार की कला एक ईश्वरीय गुण है जिसकी हमें अवमानना नहीं करनी चाहिए। कलाकार किसी भी विधा से जुड़ा हो, उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भातखंडे संसेंति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पीढ़ी–दर–पीढ़ी भारत की सांसेंतिक चेतना, स्वर, लय और संस्कार को इस संस्थान ने एक नई पहचान दी है। उन्होंने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय ने पिछले १०० वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि उन्हें आध ुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठित भी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दिशा में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय से जुड़े सभी महानुभावों के योगदान के लिए उन्होंने तज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर पंडित विष्णु नारायण भातखंडे को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष १९४० में गुरुदेव रबिंद्रनाथ टैगोर ने एक पत्र जारी कर इस संस्थान को विश्वविद्यालय के रूप में संबोधित किया था। यह प्रसन्नता का विषय है कि पंडित

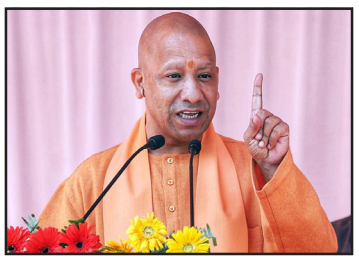

विष्णु नारायण भातखंडे की भावनाओं के अनुरूप इस संस्थान को विश्वविद्यालय का स्वरूप प्रदान किया जा सका। वर्ष १९४७ में देश आजाद हुआ और वर्ष १९५० में संविध ान लागू हुआ। इसके बाद वर्ष २०१७ तक अनेक सरकारें आईं और गईं, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक ने भातखंडे संस्थान को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने के विषय में उनसे संवाद किया। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव आने में देर हुई, विभाग से निरंतर संवाद हुआ और अंततः वर्ष २०२२ में सरकार ने इसे विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी। यह उत्तर प्रदेश का पहला संस्कृति विश्वविद्यालय है। उन्होंने कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा विश्वविद्यालय का कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत' थीम पर आधारित किया गया, जिसका अर्थ है–पूरा जगत नाद के अधीन है। यह जीवन की सच्चाई को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस सृष्टि का पहला स्वर ओंकार है। उन्होंने नाद योग का उल्लेख करते हुए कहा कि विज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति तीनों ही इसकी पुष्टि करते हैं। भातखंडे संसेंति विश्वविद्यालय का विजन भी यही है कि नाद के अधीन पूरा जगत है। उन्होंने कहा कि संगीत की विभिन्न विधाओं के माध्यम से इसी नाद की पहचान करना साधना का विषय है। विश्वविद्यालय से जुड़े पूर्व कलाकारों को सम्मानित किए जाने पर उन्होंने कहा कि ये कलाकार न केवल भातखंडे की परंपरा, बल्कि उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक मूल्यों को भी वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहे हैं। कॉफी टेबल बुक के विमोचन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में यह पुस्तक प्रेरणा का कार्य करेगी। देश की आजादी के शताब्दी महोत्सव के साथ जब विश्वविद्यालय जुड़ रहा होगा, तब यह कॉफी टेबल बुक अत्यंत प्रासंगिक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री योगी ने पंडित विष्णु नारायण भातखंडे के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष १९२६ में देश औपनिवेशिक शासन के अधीन था। उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित थी और संगीत तथा कला के लिए मंच उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि उस दौर में पंडित भातखंडे ने भारतीय संगीत को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। शास्त्रीय अनुशासन, सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, राग–ताल का वर्गीकरण, क्रमिक पद्धति और गुरु–शिष्य परंपरा को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना उनका ऐतिहासिक योगदान था। यह कार्य केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति को आत्मसम्मान, आत्मगौरव और स्थायित्व देने का प्रयास था। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में देश में अपनी विरासत को पुनः खोजने का कार्य आरंभ हुआ है। इससे भारत को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिल रही है। उन्होंने वर्ष २०१९ के कुम्भ और वर्ष २०२५ में आयोजित महाकुम्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोगों का मानना था कि आज का युवा अपनी संस्कृति से विमुख हो रहा है। औपनिवेशिक काल में इस प्रकार की धारणा को जानबूझकर बढ़ाया गया। लेकिन महाकुम्भ २०२५ में ६६.३० करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस मिथक को तोड़ दिया। इनमें सर्वाधि ाक संख्या युवाओं की थी। न केवल भारत, बल्कि विश्व के हर कोने से लोग इस आयोजन से जुड़े। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सही प्लेटफॉर्म मिलने पर संस्कृति स्वतः आगे बढ़ती है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थलः २५ दिसंबर को आएंगे PM मोदी, CM योगी ने अधिकारियों को दिए चाक–चौबंद व्यवस्था के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी २५ दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन तथा नवनिर्मित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा लखनऊ को प्रदान किया जा रहा यह उपहार राष्ट्रीय चेतना, सांसेंतिक विरासत एवं गौरव का प्रतीक बनेगा। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल उपाध ्याय एवं अटल जी की प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रीय एकता, एकात्म मानववाद तथा

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को समझने और आत्मसात करने की प्रेरणा देंगी। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, यातायात, प्रोटोक ल, आतिथ्य एवं भीड़ प्रबंधन से संबंधित सभी व्यवस्था उच्चतम मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश न रहे। मुख्यमंत्री ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल की फाइनल टचिंग, लैंडस्केपिंग, उद्यान, संग्रहालय परिसर, एम्फीथिएटर एवं मार्गों के सुंदरीकरण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश भर से आने वाले दो लाख से अधिक जनता के लिए तैयार की गई व्यवस्थाय परिवहन, पार्किंग लेआउट, बस रूट प्लान, नियंत्रण कक्ष एवं चिकित्सा इकाइयों की समीक्षा की और कहा कि प्रत्येक बस, पार्किंग ब्लॉक और प्रवेश द्वार हेतु जिम्मेदार नोडल अधिकारी नामित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने पुलिस एवं प्रशासन को वीवीआईपी रूट, हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल एवं जनसभा क्षेत्र में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू करने तथा यातायात डायवर्जन, पार्किंग व पैदल मार्ग हेतु स्पष्ट साइनेज लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मीडिया प्रबंधन, स्वागत व्यवस्था, सांसेंतिक प्रस्तुति और प्रोटोकॉल के सभी घटकों में समन्वय और समयबद्धता सुनिश्चित करने को कहा है ।

कोडीन मामले पर सीएम योगी का समाजवादी पार्टी पर प्रहार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के प्रारंभ से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोडीन कफ सिरप मामले पर समाजवादी पार्टी को घेरा। उन्होंने कहा कि माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमारी जांच अभी जारी है और अभी तक जितने लोग पकडे गए है उनके तार समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए हैं। बहुत जल्द जांच की रिपोर्ट आ जाएगी और दूध का दूध ा पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिन अभियुक्तों को एसटीएफ या यूपी पुलिस की ओर से पकड़ा गया है, उनके संबंध समाजवादी पार्टी से सामने आए हैं। समाजवादी पार्टी पहले से कुख्यात है और अब इस पूरे मामले में उसकी संलिप्तता सामने आएगी। इस पूरे मामले की जांच के लिए राज्यस्तरीय एसआईटी कार्य कर रही है। इसमें यूपी पुलिस और एफएसडीए से जुड़े अधिकारी मौजूद हैं। किन–किन लोगों को इसमें धन गया है, ये सारी बातें जांच में आएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस विषय में पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही अंतिम रूप से कुछ कहा जा सकता है, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि सपा प्रमुख द्वारा जो बातें कही जा रही हैं, उनकी स्थिति वही है, जैसा कि इस पंक्ति में कहा गया हैरू "यही कसूर मैं बार–बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा।" यानी, जिन माफियाओं के साथ उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं, स्वाभाविक रूप से अवैध लेन–देन में उनकी संलिप्तता कहीं न कहीं सामने आएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोडीन एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आने वाली एक औषधि है। इसका उपयोग कोडीन–युक्त कफ सिरप के निर्माण में किया जाता है, जो गंभीर खांसी के उपचार में प्रयुक्त

होता है। इसका कोटा और आवंटन सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा केवल अधिकृत औषधि निर्माण के लिए ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह कफ सिरप कई स्थानों पर नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा था। अवैध तस्करी की शिकायतें मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) के नेतृत्व में इसे एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत मानते हुए कार्रवाई प्रारंभ की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह कार्रवाई एफएसडीए, यूपी पुलिस और एसटीएफ द्वारा की जा रही है, जिसमें अब तक बड़े पैमाने पर अवैध तस्करी के मामलों का खुलासा हुआ है और व्यापक गिरफ्तारियां भी की गई हैं। उन्होंने कहा कि २४ दिसंबर तक शीतकालीन सत्र में सभी सदस्यों को सदन में अपने मुद्दों को उठाने, प्रदेश की जनता के हित में और उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़े विधायी कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए ये सत्र महत्वपूर्ण होगा। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार है। सरकार विकास से जुड़े हुए मुद्दों पर सकारात्मक रूख रखती है। सत्र सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए हमें सभी दलों के सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा विधानमंडल लगातार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जब लोकतंत्र से जुड़े पवित्र स्थल चर्चा और परिचर्चा के केंद्र बनते हैं, तब जनप्रतिनिधि जनविश्वास पर खरा उतरता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि सरकार की इच्छा थी कि सत्र अधिक दिनों तक चले, लेकिन वर्तमान में अधिकांश जनप्रतिनिधि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े कार्यों में व्यस्त हैं, जो लोकतंत्र की शुचिता और पारदर्शिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी कारण आवश्यक विधायी कार्यों, अनुपूरक मांगों और 'वंदे मातरम' पर चर्चा के लिए सत्र अवधि आज से २४ दिसंबर तक निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह सत्र उत्तर प्रदेश विधानमंडल और राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

लखनऊ में रचा साहित्यिक इतिहासः डॉ. अनीता सहगल 'वसुंधरा' की ५१ पुस्तकों का एक साथ विमोचन, वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित

लखनऊ। कभी–कभी शहरों की शामें साधारण नहीं होतीं, वे इतिहास रचती हैं। लखनऊ के अंतरराष्ट्रीय बोध शोध संस्थान का सभागार ऐसी ही एक

ऐतिहासिक शाम का साक्षी बना, जहाँ साहित्य, प्रतिभा और मानवीय मूल्यों का भव्य संगम देखने को मिला। केंद्र में रहीं प्रख्यात लेखिका डॉ. अनीता सहगल 'वसुंधरा', जिनकी लेखनी ने न केवल रिकॉर्ड बनाए, बल्कि प्रेरणा की नई मिसाल भी पेश की। लता फाउंडेशन एवं ब्लू टर्टल प्रोडक्शंस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में मेगा पुस्तक विमोचन, वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान समारोह और प्रतिभा श्री सम्मान सीजन २ का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान रहे, जिनके करकमलों से डॉ. अनीता सहगल द्वारा रचित ५१ पुस्तकों का एक साथ विमोचन किया गया। यह क्षण सभागार को तालियों की गूंज से भर देने वाला रहा। कविता, कहानी, सामाजिक विमर्श, आत्मचिंतन, प्रेरक और बाल साहित्य सहित विविध विधाओं में लिखी गई ये पुस्तकें डॉ. अनीता सहगल की बहुआयामी रचनात्मकता का प्रमाण हैं। सबसे कम समय में विभिन्न विधाओं में ५१ पुस्तकें लिखने के लिए उन्हें विश्व रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। साथ ही किंग्स बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की 'अमैजिंग ब्रिलियंस' श्रेणी में भी उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने कहा, "जब लेखनी समाज के लिए काम करती है, तब वह केवल साहित्य नहीं, संस्कार भी रचती है।" विशिष्ट अतिथि भारतीय नाट्य अकादमी के अध्यक्ष रति शंकर त्रिपाठी ने डॉ. अनीता सहगल की लेखनी को सरल, स्पष्ट और प्रभावशाली बताया। फिल्म निर्माता मुकेश पाण्डेय ने कहा कि उनकी पुस्तकें समाज के संघर्षों के साथ–साथ आशा और परिवर्तन की प्रेरणा भी देती हैं। एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से आए पंकज खटवानी ने कहा कि इतनी कम अवधि में ५१ पुस्तकों का लेखन कर विश्व रिक र्ड बनाना असाधारण उपलब्धि ा है और यह लखनऊ के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति विश्वनाथ, विधायक संतकबीरनगर गणेश चौहान, पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. सूर्य कुमार शुक्ल, फिल्म निर्माता–निर्देशक कीर्ति कुमार आहूजा, शोध संस्थान निदेशक राकेश सिंह, राष्ट्रकवि कुमार पंकज सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में इंडियन फिल्म्स एकेडमी के संस्थापक दिनेश कुमार सहगल ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कालीन भैया हो या कोडीन भैया, सबके खिलाफ चले बुलडोजर : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कोडीन युक्त कफ सिरप के कथित अवैध कारोबार को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुये कहा कि अगर सरकार वास्तव में माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, तो अवैध धंधे में शामिल सभी लोगों पर एक जैसी कार्रवाई होनी चाहिए। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा चाहे 'कालीन भैया' हों या 'कोडीन भैया', जिन–जिन लोगों के नाम और तस्वीरें सामने आ रही हैं, उनके खिलाफ भी बुलडोजर चलना चाहिए।' सपा प्रमुख ने अवैध और जहरीली कफ सिरप मामले की जांच कर रही एसटीएफ पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसटीएफ कारोबारियों से मिली हुई है और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि नशाखोरी की जांच के लिए सिरप टास्क फोर्स यानी एसटीएफ के साथ–साथ जीटीएफ भी बना दीजिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि कोडीन कफ सिरप का अवैध कारोबार प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र तक फैला हुआ है और इसकी कीमत हजारों करोड़ रुपये में है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के ३६ जिलों में अब तक ११८ से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और उत्तर प्रदेश में लंबे समय से कफ सिरप का अवैध कारोबार चल रहा था। उन्होंने कहा

कि कुछ तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने की कोशिश की जा रही है कि सपा के लोग माफिया हैं। अगर तस्वीरों के आधार पर ही तय करना है, तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ मौजूद तस्वीरों को भी देखा जाना चाहिए। इससे पहले अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर शायराना अंदाज में सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, ष्जब खुद फंस जाओ, तो दूसरे पर इल्जाम लगाओ, ये खेल हुआ पुराना, हुक्मरान कोई नई बात बताओ।ष उन्होंने मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि कोडीन के डर से आज सब साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

नाबालिग लड़की को अगवा कर दुष्कर्म करने का आरोपी आठ महीने बाद गिरफ्तार

बलिया। बलिया जिले में एक नाबालिग लड़की को अगवा कर उससे दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को बिहार के शिवहर से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिला मुख्यालय की शहर कोतवाली पुलिस के अनुसार घटना के करीब आठ महीने बाद आरोपी युवक को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान बिहार राज्य के शिवहर जिले के शाहपुर गांव निवासी शिवम कुमार पटेल (२०) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओमवीर सिंह ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को बिहार के शिवहर जिले में उसके घर से गिरफ्तार किया गया था और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बलिया कोतवाली क्षेत्र में रहता था और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता था। उस पर आरोप है कि उसने नौ अप्रैल को १२ वर्षीय लड़की का अपहरण कर उससे बलात्कार किया। इस मामले में पीड़िता के पिता की शिकायत पर बलिया शहर कोतवाली में शिवम कुमार पटेल के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धारा में मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को उसके घर बिहार के शिवहर जिले के शाहपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न का प्रयागराज दौरा पत्रकार हित, संगठन विस्तार और माघ मेला को लेकर हुई अहम बैठकें

प्रयागराज। ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने अपने प्रयागराज प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में संगठन के पदाधि ाकारियों एवं सदस्यों के साथ एक

महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी माघ मेला को लेकर संगठन की भूमिका, पत्रकारों की सक्रिय सहभागिता, समाचार कवरेज की रूपरेखा तथा प्रशासनिक समन्वय जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित संगठनात्मक कार्यक्रम को लेकर भी गंभीर विचार–विमर्श हुआ। राष्ट्रीय महासचिव ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य तथा प्रदेश एवं जिला इकाइयों की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी इकाइयों को आपसी समन्वय, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। प्रयागराज प्रवास के दौरान राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर फेडरेशन की ओर से उन्हें मोमेंटो भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मुलाकात के दौरान फेडरेशन के प्रयागराज जिला अध्यक्ष द्वारा पत्रकारों के हित में एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें स्म ल एंड मीडियम समाचार पत्रों को स्थानीय स्तर पर सरकारी विज्ञापन उपलब्ध कराने तथा विज्ञापन नीति में प्राथमिकता देने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने ज्ञापन की बातों को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया। राष्ट्रीय महासचिव ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडे 'बबुआ' से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पत्रकारों पर हो रही अनावश्यक गश्त, लंबित रेड मामलों एवं पत्रकारों पर बढ़ते मानसिक दबाव जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश पांडे ने फेडरेशन को पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि स्म ल एंड मीडियम न्यूज पेपर्स फेडरेशन के हितों की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर पत्रकारों को हर संभव कानूनी सहयोग और परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व फेडरेशन के प्रयागराज जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने किया। बैठक में प्रदेश महासचिव अनिल त्रिपाठी, उपाध्यक्ष परवेज आलम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आसिफ जाफरी, हफीज उल्लाह खान सहित प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के गौरव त्रिपाठी, सतीश मिश्रा, अमरदीप चौधरी, मनोज कुमार, दीपक चतुर्वेदी समेत अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें पत्रकार हितों की सुरक्षा, संगठन विस्तार तथा भविष्य की कार्ययोजना को लेकर सकारात्मक और ठोस चर्चा की गई।

७०वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर खीरी में ६२वाँ एसएसबी रेजिंग डे हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया।

लखीमपुर–खीरी।७०वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर खीरी में ६२वाँ एसएसबी स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, अनुशासन एवं उत्साह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया । यह कार्यक्रम बल के गौरवशाली इतिहास, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र सेवा के

प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। कार्यक्रम की शुरुआत खेल प्रतियोगिताओं से हुई, जिसमें गोला फेंक, भाला फेंक, डिस्क थ्रो , टग ऑफ वॉर सहित विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया । इन प्रतियोगिताओं में वाहिनी के बलकर्मियों एवं संदिक्षा सदस्यों ने पूर्ण जोश, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय देते हुए सक्रिय सहभागिता निभाई। खेल आयोजनों का उद्देश्य बलकर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना तथा आपसी समन्वय को मजबूत करना रहा। इसके उपरांत वाहिनी परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें संदिक्षा सदस्यों, बच्चे एवं बलकर्मियों ने देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया तथा पूरे वातावरण को देशभक्ति एवं उल्लास से ओत–प्रोत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान समस्त बलकर्मी एवं संदिक्षा सदस्य उपस्थित रहे एवं आयोजन के अंत में सभी बलकर्मियों के लिए बड़े खाने (सामूहिक भोज) का भी भव्य आयोजन किया गया। इस सामूहिक भोज के माध्यम से बलकर्मियों के मध्य आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं एकता की भावना को और अधिक मजबूती मिली। इस गरिमामय अवसर पर श्री मुकेश कुमार गौतम, द्वितीय कमान अधि ाकारी, श्री राजू यादव, उप कमांडेंट, श्री विश्वनाथ मिश्रा , उप कमांडेंट , श्री आयुष मिश्रा, सहायक कमांडेंट, श्री समीर राणा, सहायक कमांडेंट (संचार) सहित वाहिनी के समस्त अधीनस्थ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वाहिनी के सभी बलकर्मियों ने भी कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित श्री मुकेश कुमार गौतम, द्वितीय कमान अधिकारी द्वारा अपने संबोधन में सशस्त्र सीमा बल के गौरवशाली इतिहास, अनुशासन, निष्ठा एवं राष्ट्र सेवा में बल की भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा सभी बलकर्मियों को कर्तव्य परायणता एवं एकजुटता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ और यह आयोजन सभी उपस्थित सदस्यों के लिए प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय रहा ।

आउटसोर्सिंग कर्मचारी ३ दिन से लापता

धौरहरा खीरी। बिजली उपकेंद्र धौरहरा में तैनात बुधवार से कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी आउटसोर्सिंग कर्मचारी तीन दिनो से लापता है शुक्रवार को पत्नी ने कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए गुमशुदगी दर्ज करने की गुहार लगाई। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम डिहुआ निवासी मीना देवी पत्नी मनोज विश्वकर्मा पुत्र रामजीवन ने १६.१२.२५ शुक्रवार को कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरे पति मनोज कई वर्षों से विद्युत उप केन्द्र धौरहरा में मीटर रीडर के पद पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम कर रहे थे कि दिनांक १७.१२.२५ बुधवार को घर से धौरहरा उपकेंद्र के लिए निकले थे कि तभी से वापस नहीं आऐ।वही

पुलिस सूत्रों के अनुसार तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी।

विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

धौरहरा खीरी। शनिवार को बीआरसी परिसर धौरहरा में राष्ट्रीय अविष्कार विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विकास क्षेत्र के २०७ बच्चों ने प्रतिभाग किया। जानकारी के अनुसार बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा विकास क्षेत्र धौरहरा के तहत बीआरसी परिसर में आयोजित क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा ६ से.८ तक के प्रत्येक विद्यालय से तीन तीन छात्र छात्राओं को प्रतिभाग करने के आयोजन में शनिवार ११ बजे राष्ट्रीय अविष्कार विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के तहत परीक्षा में कुल २०७ छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

लेखपाल की संलिप्तता आई से सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण जिम्मेदार मौन

लखीमपुर–खीरी। सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा सलेमपुर कौन में पॉलिटेक्निक के समीप स्थित गाटा संख्या ७१७ की छुट की जमीन एवं नाले की भूमि पर अवैध निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि इस अवैध निर्माण में संबंधित लेखपाल की संलिप्तता भी उजागर हुई है, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी भूमि पर भू–माफिया द्वारा लगातार कब्जा किया जा रहा है। शिकायतें सामने आने के बावजूद न तो निर्माण रुकवाया गया और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई की गई। इससे राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आए दिन इस तरह के मामलों का सामने आना और कार्रवाई का अभाव यह दर्शाता है कि विभागीय स्तर पर संरक्षण प्राप्त होने के कारण अवैध कब्जेदार बेखौफ होकर सरकारी भूमि पर निर्माण करा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध निर्माण को तत्काल हटवाया जाए और दोषी अधिकारियों व भू–माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। लेकिन इसके पलट सोशल मीडिया पर खबर वायरल होने के बाद सदर लेखपाल तथा विनमित क्षेत्र के जेई मौके पर पहुंचे और काम रुकवाने के लिए कहा लेकिन काम कैसे रुकता बंजर व नाला की जमीन पर अवैध निर्माण सदर तहसील के उच्च अधिकारी के एक बाबू की छत्रछाया में चल रहा है। जिसमें बाबू जी की संलिप्तता से मामले में सेटिंग गेटिंग का खेल हो गया है

गोला तहसील मे संपूर्ण समाधान दिवस मे पहुचे डीएम व एसपी सुनी फरियादे।

गोला गोकर्णनाथ खीरी।गोला तहसील परिसर मे चल रहे संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर लखीमपुर की जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल व पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के साथ आला अधि ाकारयो के साथ सम्पूर्ण समाधान दिवस पर फरिआथियो की फरियाद सुनी गई। इस अवसर पर आये हुये जरूरतमंद फिरादियों को गोला उप जिला अधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने उन्हे कंबल विवरण किया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर आई कूल फरियाद ६१ जिसमे से राजस्व की कुल राजस्व की सात सिकायतो को मौके पर निस्तारण किया गया ।जबकि पुलिस की आई पांच सिकायतो के सहित ५४ सिकायतो को निस्तारण करने के लिये सक्षम अधिकारियो को अग्रसारित किया गया।इस दौरान लखीमपुर से आये हुये अधिकारियो के सहित गोला पुलिस क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी ,गोला प्रभारी निरीक्षक अम्बर सिंह, हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील मलिक, नीमगांव थानाध्यक्ष प्रवीण गौतम, मैलानी थानाध्यक्ष बृजेन्द्र मौर्य, तहसीलदार भीमचंद्र, सहित तमाम सरकारी अमला मौके पर मौजूद रहा।

योगी और केशव मौर्य ने एसएसबी के स्थापना दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को बधाई दी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के स्थापना दिवस पर वीर जवानों और उनके परिजनों को बधाई दी। योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर

लिखा, ''सेवा, सुरक्षा और समर्पण के जीवंत प्रतीक सशस्त्र सीमा बल के स्थापना दिवस की सभी वीर जवानों एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' योगी ने कहा, ''राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए आपकी निष्ठा वंदनीय है। जय हिंद!।'' वहीं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी 'एक्स' पर लिखा, ''सेवा–सुरक्षा–बन्धुत्व! समस्त वीर जवानों एवं देशवासियों को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!'' उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा से लेकर आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन तक, एसएसबी के जवानों का अदम्य साहस, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण अति प्रशंसनीय है। मौर्य ने कहा, ''मां भारती की सेवा में सदैव तत्परता से राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा में तैनात सभी वीरों को सादर नमन! जय हिन्द!'' उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी कहा, ''देश की सीमा की सुरक्षा करने वाले मां भारती के वीर जवानों को सशस्त्र सीमा बल की स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।'' उल्लेखनीय है कि लगभग ८०,००० कर्मियों वाला एसएसबी २००१ से १,७५१ किलोमीटर लंबी भारत–नेपाल सीमा और २००४ से ६६६ किलोमीटर लंबी भारत–भूटान सीमा की रक्षा करता है। इसकी स्थापना २० दिसंर १६६३ को हुई थी।

एसआईआर में सहयोग जारी रखें, विशेष रोल प्रेक्षक ने की समीक्षा बैठक

बाराबंकी। संयुक्त सचिव, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय एवं विशेष रोल प्रेक्षक कुनाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–२०२६ के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान विशेष रोल प्रेक्षक ने सभी प्रतिनिधियों और अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में कुल ६ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और २३,३१,६४६ पंजींत मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि अब तक १६,५४,३१४ मतदाताओं का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है, जबकि १,३२,०२५ मतदाता नो–मैपिंग श्रेणी में हैं, जिसे न्यूनतम स्तर पर लाने के प्रयास जारी हैं। विशेष रोल प्रेक्षक ने जनपद में नो–मैपिंग के कम आंकड़े को सराहनीय बताया और राजनैतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में उपस्थित सभी दलों ने जिला प्रशासन के प्रभावी और सक्रिय प्रयासों की प्रशंसा की। विशेष रूप से जिलाधिकारी स्वयं कमजोर प्रगति वाले बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ और जनता को प्रेरित करते रहे। बैठक में सुझाव और शिकायतों पर चर्चा की गई और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए।

चोरों का आतंक, दो गांवों में लाखों की चोरी

सुलतानपुर। शुक्रवार की देर रात भीषण सर्दी के बीच चोरों ने अलग–अलग गांवों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर नगदी सहित लाखों रुपये कीमत के जेवरात व सामान पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पहली घटना थाना क्षेत्र के बेलवारे बाजार की है। जहां चोरों ने रमेश आभूषण की दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने दुकान का ताला तोड़ने के साथ ही दीवार में सेंध लगाकर भीतर प्रवेश किया और करीब ४० हजार रुपये नगद, लगभग ७ किलोग्राम चांदी और ७० ग्राम सोना चोरी कर ले गए। सुबह दुकान खोलने पर चोरी की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। दूसरी घटना थाना क्षेत्र के ही करेंथा गोसारपुर यादव बस्ती की है। जहां चोर छत के रास्ते घर में घुसे और राम सहाय यादव के घर से लाखों रुपये कीमत के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित परिवार में हड़कंप मच गया। दोनों मामलों में पीड़ितों द्वारा थाने में चोरी की तहरीर दी गई है। थाना प्रभारी अनिरुद्ध कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामलों की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मां–बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म में ५ दोषी करार, २२ दिसंबर को सजा सुनाएगा कोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नेशनल हाईवे (NH–६१) एक परिवार को बंधक बनाकर, मां–बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना में ५ आरोपी दोषी पाए गए हैं। कोर्ट २२ दिसंबर को सजा सुनाएगी। आत्मा को झकझोरने वाला ये घटनाक्रम २८ जुलाई २०१६ की रात का है। नोएडा से शाहजहांपुर के पांच सदस्यों का एक परिवार अपने घर लौट रहा था। तीन पुरुष और दो महिलाएं थीं। बुलंदशहर में बदमाशों ने उनकी कार के आगे लोहे की र ड फेंककर गाड़ी रुकवा दी। पांचों लोगों को बंधक बनाया। परिवार के सामने मां–बेटी के साथ दो घंटे तक दरिंदिगी करते रहे। बुलंदशहर के इस कांड हर इंसान की आत्मा को हिला डाला था। बुलंदशहर कोतवाली क्षेत्र के दोस्तपुर गांव के पास, भाई–पिता के सामने बदमाश उनकी मां–बहन को नोचते रहे और घरवाले तड़पते रहे। ये कांड सामने आने के बाद स्थानीय पुलिसकर्मियों की

लापरवाही पर शासन से कार्रवाई हुई बाद। बाद में ये केस सीबीआई के हवाले कर दिया गया। सीबीआई ने जांच के बाद वर्ष २०१७ में ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। तब से ये प्रकरण अदालत में चल रहा है और अब इंसानियत को तार–तार करने वाले हैवानों को, उनके गुनाहों की सजा मिलने का वक्त आ गया है। शनिवार को कोर्ट ने इस ५ आरोपियों को सामूहिक दुष्कर्म का दोषी करार दिया है। मुठभेड़ में मारे गए दो बदमाश मां–बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी अजय उर्फ असलम और बंटी उर्फ गंजा को हरियाणा पुलिस और यूपी–एटीएस द्वारा एनकाउंटर में मार गिरया था। एक अन्य आरोपी सलीम की चार साल पहले मौत हो चुकी है। कोर्ट में कुछ छह आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसमें जुबैर, नरेश, साजिद, सलीम, धर्मवीर और सुनील शामिल है। चार साल पहले बुलंदशहर जिला कारागार में सलीम की मौत हो गई थी। इसलिए न्यायालय ने अब पांच आरोपियों को दोषी करार दिया।

ममता हत्याकांड का रहस्य कायम, आरोपी फरार

बाराबंकी। ममता हत्याकांड में पुलिस भले ही पांच आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद खुद की पीठ थपथपा रही हो पर पूरे घटनाक्रम पर रहस्य का पर्दा अभी तक पड़ा हुआ है। हर कोई केवल कयास ही लगा रहा है। उधर घटना के छह दिन बाद भी पुलिस फरार माता पिता का पता नहीं लगा सकी है। बताते चलें कि गत सोमवार की आधी रात को थाना क्षेत्र के ग्राम शहाबपुर स्थित प्रेमी संदीप के घर पहुंची ममता यादव मंगलवार सुबह घर के एक कमरे में मरी मिली। उसकी हत्या कुल्हाड़ी से वार कर की गई थी। पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रेमी संदीप के अलावा इसकी चार बहनों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया पर संदीप के माता पिता लगातार फरार चल रहे हैं। जिसकी वजह से न घटना की असल वजह सामने

आ पा रही और न ही प्रेम से हत्या तक के सफर की कहानी ही पता चल सकी है। सभी अपने अनुसार कयास लगाते हुए घटना को तरह तरह के मोड़ देते जा रहे। सबको असल वजह के सामने आने का इंतजार है। पुलिस के सामने भी सवालिया निशान संदीप के गायब माता पिता को लेकर है। आशंका इस बात की भी जताई जा रही कि दोनों आरोपी जिला छोड़कर कहीं बाहर निकल गए हैं। परिवार के सभी सदस्यों के जेल में होने से भी पुलिस के हाथ बंधे हुए हैं। यही नहीं घटनाक्रम का खुलासा हो सके इसकी नौबत भी दो आरोपियों के न मिलने से नहीं आ पा रही। मैनुअल इंटेलीजेंस, सर्विलांस जैसे हथियार भी इस समय धराशायी ही दिख रहे हैं। इस बारे में थानाध्यक्ष मसौली अमित प्रताप सिंह ने बताया कि फरार आरोपी माता पिता की तलाश सिरे से की जा रही है। शीघ्र की तलाश कर ली जाएगी।

महिला ने मालगाड़ी के आगे छलांग लगा कर दी जान

हैदरगढ़। खाना बनाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद महिला ने मालगाड़ी के आगे छलांग लगा दी। हालांकि उसके पीछे पीछे आई मासूम बेटी को कूदने से पहले धक्का दे दिया। मासूम ने ही घर लौटकर घटना की जानकारी दी। पत्नी की मौत के बाद पति व तीन बच्चे रोते बिलखते रहे। पुलिस ने क्षत विक्षत शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के पासिन पुरवा मजरे भेतमुआ गांव में शनिवार की सुबह खाना बनाने को लेकर अमर बहादुर रावत की उसकी पत्नी संजू ३० से कहासुनी हो गई। इसके बाद अमर बहादुर अपना खेत देखने चला गया। उसके जाते ही पत्नी संजू घर से निकलकर एक किमी दूर रेलवे स्टेशन हैदरगढ़ पहुंच गई। उसके पीछे पीछे सात साल की मासूम बेटी राखी भी चली गई। स्टेशन पर लखनऊ से सुल्तानपुर की ओर जा रही मालगाड़ी को देखते ही संजू ने बेटी को धक्का देकर अलग कर दिया और खुद ट्रेन के आगे

कूद गई। कुछ ही पलों में संजू के शरीर के टुकड़े इधर उधर बिखर गए। उधर यह नजारा देख बेटी राखी घर की ओर तेजी से भागी और घटना की सूचना दी। थोड़ी ही देर बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई, वहीं पति अमर बहादुर भी पहुंच गया। हादसे के बाद अमर बहादुर व बच्चे रोते रहे। सूचना पर हैदरगढ़ कोतवाली व जीआरपी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव के टुकड़े बटोर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि दो दिन पहले बेटी से बात हुई थी तो उसने सब कुछ ठीक–ठाक बताया था।

बिहार में नकाब हटाने का मामला : मुख्यमंत्री खेद जताकर विवाद खत्म करें: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक मुस्लिम महिला के नकाब हटाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह मामला सुलझने के बजाय मंत्रियों, नेताओं की बयानबाजी के कारण तूल पकड़ता जा रहा है, जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री कुमार से इस मामले पर खेद जताने और विवाद को खत्म करने को कहा। पूर्व मुख्यमंत्री ने बहराइच में हुई विवादास्पद पुलिस परेड की घटना पर भी चिंता जताई। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में मायावती ने कहा कि 'नकाब' विवाद ''दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण'' है, जिसने घटना के संबंध में मंत्रियों की बयानबाजी के कारण और तूल पकड़ लिया है। इस घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हो रहा है। यह घटना सोमवार को पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई जहां आयुष चिकित्सक अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के लिए एकत्रित हुए थे। जब महिला अपना पत्र लेने आई तो कुमार ने उसका नकाब देखा और कहा, ''यह क्या है'' और फिर उन्होंने नकाब हटा दिया। इसके बाद विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री से बिना शर्त माफी मांगने की बात कही। मायावती ने शनिवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरण के सार्वजनिक कार्यक्रम में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर का नकाब हटाने का मामला सुलझने के बजाय लगातार तूल पकड़ता जा रहा है और खासकर मंत्रियों आदि की बयानबाजी के कारण इसने विवाद का रूप ले लिया है जो दुःखद व दुर्भाग्यपूर्ण है।'' मायावती ने कहा, ''यह मामला पहली नजर में ही महिला सुरक्षा व सम्मान से जुड़ा होने के कारण माननीय मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिए था खासकर तब जब कई जगहों पर ऐसी अन्य घटनाएं भी सुनने को मिल रही हैं।''बसपा प्रमुख ने सलाह दी, ''अच्छा होगा कि मुख्यमंत्री इस घटना को सही परिप्रेक्ष्य में देखते हुए इसके लिए पश्चाताप कर लें और कड़वा होते जा रहे इस विवाद को यहीं पर खत्म करने का प्रयास करें।'' बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान नव नियुक्त मुस्लिम महिला चिकित्सक का नकाब हटाने और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी

को लेकर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया शुरू कर दी है। बसपा प्रमुख ने अपने लंबे पोस्ट में सिलसिलेवार कई मुद्दों को उठाया जिसमें उन्होंने बहराइच में कथावाचक को सलामी गारद दिये जाने पर कहा, ''उत्तर प्रदेश के बहराइच जिला पुलिस द्वारा पुलिस परेड में स्थापित परंपरा, नियमों से हटकर, एक कथावाचक को सलामी देने का मामला भी काफी बड़े विवाद में है और इसको लेकर सरकार कठघरे में है।'' उन्होंने कहा, ''पुलिस परेड व सलामी की अपनी परंपरा, नियम, मर्यादा, अनुशासन व पवित्रता है, जिसको लेकर खिलवाड़ कतई नहीं किया जाना चाहिए। यह अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश के पुलिस प्रमुख ने इस घटना का संज्ञान लेकर जिला पुलिस कप्तान से जवाब तलब किया है।'' उन्होंने डीजीपी के प्रयासों की सराहना के साथ ही यह अपेक्षा भी जताई कि कार्रवाई का लोगों को इंतजार है। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार भी इसे गंभीरता से लेकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाये तो यह पुलिस प्रशासनध्अनुशासन एवं कानून का राज के हक में उचित होगा।'' मायावती ने विधानमंडल दल के शुरू हुए शीतकालीन सत्र पर कहा, ''जहां तक दिनांक १६ दिसंबर से शुरू हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के संक्षिप्त शीतकालीन सत्र का सवाल है, तो यह सत्र भी पिछले सत्रों की तरह ही जनहित व जनकल्याण के मुद्दों से दूर रहने के कारण सत्ता व विपक्ष के बीच वाद–विवाद में घिर गया है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''बेहतर होता कि सरकार किसानों के खाद की समस्या के साथ–साथ जनहित की अन्य समस्याओं तथा जनकल्याण के प्रति गंभीर होकर संदन में इन पर जवाबदेह होती।'' उन्होंने कहा, ''संसद का शीतकालीन सत्र भी राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की भीषण समस्या सहित देश व जनहित की विकराल रूप धारण कर रही समस्याओं पर विचार किए बिना ही कल समाप्त हो गया, जबकि पूरे देश की निगाहें लगी थीं कि सरकार व विपक्ष दोनों देश की ज्वलंत समस्याओं पर विचार करेंगे और इससे उम्मीद की कुछ नयी किरण पैदा होगी, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। देश की चिंता लगातार बरकरार है।'' मायावती ने कहा, ''पड़ोसी बांग्लादेश में जो हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं तथा वहां भी नेपाल की तरह भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ रही हैं, वह भी चिंतनीय स्थिति है जिस पर भी केंद्र सरकार समुचित संज्ञान लेकर दीर्घकालीन नीति के तहत कार्य करे तो यह उचित होगा।''

SIR की समय सीमा खत्म होने से पहले राजनीतिक दलों ने झोंकी ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया खत्म होने को है, ऐसे में पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराने के लिये सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एसआईआर का यह चरण २६ दिसंबर को समाप्त होना है, ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी(सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कांग्रेस ने अपने–अपने बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) और कार्यकर्ताओं को पूरी तरह मैदान में उतार दिया है, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। इस प्रक्रिया में लगभग २.१६ करोड़ ऐसे मतदाता दांव पर हैं, जिनके नाम 'अनकलेक्टेबल' की श्रेणी में आने के कारण मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक दलों में चिंता है कि यदि उनके समर्थक मतदाताओं के नाम कटे तो २०२७ के विधानसभा चुनावों पर इसका असर पड़ सकता है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, २६ दिसंबर को गणना चरण पूरा होगा, ३१ दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी और ३१ दिसंबर से ३० जनवरी तक दावे व आपत्तियों की अवधि रहेगी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारियों को मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं के सत्यापन के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बूथ लेवल अ फिसरों (बीएलओ) से कहा गया है कि वे इस काम में बीएलए की मदद लें और लापता मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शुक्रवार को स्पष्ट किया कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र (१६ से २४ दिसंबर) छोटा इसलिए रखा गया है क्योंकि अधिकांश विधायक एसआईआर कार्य में व्यस्त हैं और निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई समय–सीमा के विस्तार का पूरा उपयोग करना चाहते हैं। इससे पहले १४ दिसंबर को मुख्यमंत्री ने

कहा था कि करीब चार करोड़ मतदाता सूची से गायब हैं, जिनमें से ८५ से ९० प्रतिशत 'हमारे' मतदाता हैं। भाजपा ने रविवार को लखनऊ में प्रदेश के सभी सांसदों और विधायकों की संगठनात्मक बैठक बुलाई है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य एजेंडा अधूरे एसआईआर फ र्म और बूथ स्तर पर काम की समीक्षा है। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने इस मुद्दे को पार्टी के राज्य और केंद्रीय नेतृत्व के सामने भी उठाया है। वहीं, सपा ने एसआईआर के लिए अपने 'पीडीए प्रहरियों' पर भरोसा कर रही है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव स्वयं पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि कहीं भी गड़बड़ी दिखे तो उसका विरोध करें और उसे उजागर करें। सपा के राष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र चौधरी ने कहा कि पार्टी रोजाना अनियमितताओं का दस्तावेजीकरण कर निर्वाचन आयोग को भेज रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी वैध मतदाता का नाम न कटे। बसपा की मुखिया मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एसआईआर को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है और कुछ दिनों के लिए संगठनात्मक गतिविधियां स्थगित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों, मजदूरों, शोषितों और बहुजन समाज के लोगों को उनके संवैधानिक मताधिकार से वंचित नहीं होने दिया जाना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पार्टी ने एसआईआर कार्य तेज कर दिया है और वरिष्ठ नेताओं व पूर्व विधायकों को जिलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण की समयसीमा को दो महीने बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि राज्य की बड़ी आबादी, ठंड और कोहरे जैसे हालात को देखते हुए और समय दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि एसआईआर की अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह मुद्दा केंद्र में आ गया है और आने वाले दिनों में इस पर गतिविधियां और तेज होने की संभावना है।

लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में हंगामा: सहायक अभियंता ने प्रमुख अभियंता को कमरे में घुसकर पीटा

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में विभागीय बैठक के दौरान सिद्धार्थनगर में तैनात एक सहायक अभियंता ने प्रमुख अभियंता के कार्यालय में घुसकर गाली–गलौज की। विरोध पर आरोपी ने मारपीट करते हुए मेज पर रखी सरकारी फाइलों को फेंक दिया। सुरक्षाकर्मियों ने रोका तो आरोपी ने उक्त अधिकारी को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के आदेश पर हजरतगंज पुलिस ने शुक्रवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीडब्ल्यूडी क लोनी निवासी विजय कनौजिया विभाग में प्रमुख अभियंता (परिकल्पधनियोजन) पद पर हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब ३रू१५ बजे अपने कार्यालय में सरकारी बैठक कर रहे थे। इसी दौरान सिद्धार्थनगर प्रांतीय खंड में तैनात सहायक अभियंता चंदन पाठक जबरन कार्यालय में घुस आए और अपनी बात कहने लगे। प्रमुख अभियंता ने बैठक समाप्त होने तक प्रतीक्षा

करने को कहा तो सहायक अभियंता आक्रोशित हो गए। आरोप है कि चंदन पाठक ने गाली–गलौज करते हुए प्रमुख अभियंता से मारपीट की और मेज पर रखी सरकारी फाइलों को फेंककर नष्ट कर दिया। बैठक में मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों ने बीच–बचाव किया। सूचना पर पहुंचे सुरक्षा कर्मियों ने आरोपी को कार्यालय से बाहर निकाला। आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपी ने कार्यालय परिसर में काफी देर तक अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे कार्य बाधित हुआ। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पीड़ित ने बताया कि आरोपी द्वारा पूर्व में भी विभाग के विधि अधिकारी नागेंद्र कुमार शाही से अभद्रता कर चुके हैं। घटना की सूचना उसी दिन हजरतगंज कोतवाली पर दी थी। पुलिस आयुक्त के आदेश पर हजरतगंज पुलिस ने सहायक अभियंता चंदन पाठक के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ओटीएस में लापरवाही पर दो लिपिक निलंबित

लखनऊ। सरकार की बिजली बिल राहत (ओटीएस) योजना के तहत उपभोक्ताओं को मिलने वाली छूट को लेकर गुमराह करने के आरोप में दो लिपिकों को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। दोनों कर्मचारी कलेक्शन काउंटर पर तैनात थे। यह कार्रवाई उपभोक्ताओं की शिकायत के बाद की गई है। सेंट्रल जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि अध ीक्षण अभियंता (क मर्शियल) मुकेश त्यागी ने ठाकुरगंज कलेक्शन काउंटर पर तैनात कार्यकारी सहायक लिपिक अनूप कुमार सिंह और चौक कलेक्शन काउंटर पर तैनात लिपिक नीरज चंद्रा को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों लिपिकों पर आरोप है कि वे सरकार की बिजली बिल राहत योजना के तहत बकायेदार उपभोक्ताओं को मिलने वाली १०० प्रतिशत ब्याज माफी और मूलधन

पर २५ प्रतिशत छूट की सही जानकारी नहीं दे रहे थे। आरोप है कि इसके बजाय उपभोक्ताओं को केवल ५० प्रतिशत छूट का प्रावधान बताया जा रहा था। इसके साथ ही योजना में बिजली चोरी के जुर्माने पर ५० प्रतिशत छूट का भी प्रावधान है, जिसकी जानकारी भी उपभोक्ताओं को सही ढंग से नहीं दी जा रही थी। इस गलत जानकारी के कारण कई बकायेदार उपभोक्ताओं को सरकार की योजना का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था। बताया गया कि उपभोक्ताओं ने उच्च स्तर से योजना की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के बाद संबंधित लिपिकों द्वारा गुमराह किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। दोनों निलंबित लिपिकों को फिलहाल मीटर इकाई से संबद्ध कर दिया गया है। विभाग की ओर से बताया गया कि सोमवार को दोनों कर्मचारियों को आरोप पत्र जारी कर उनका पक्ष मांगा जाएगा।

आईएनसी बंद होने से वाहन मालिकों की बढ़ी परेशानी

लखनऊ। ट्रांसपोर्टनगर स्थित इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन सेंटर (आईएनसी) को हाल ही में बंद कर दिया गया है। बीकेटी में ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम (एटीएस) के शुरू होने के बाद यह निर्णय लिया गया। वर्तमान में एटीएस पूरी तरह एक निजी एजेंसी द्वारा संचालित किया जा रहा है, जबकि आईएनसी में संसाधन परिवहन विभाग उपलब्ध कराता था और संचालन निजी एजेंसी के माध्यम से किया जाता था। आईएनसी बंद होने के बाद अब वाहन मालिकों को अपने वाहनों की फिटनेस जांच के लिए बीकेटी स्थित एटीएस केंद्र जाना पड़ रहा है। इससे वाहन मालिकों को न केवल अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है, बल्कि समय और खर्च दोनों का बोझ भी बढ़ गया है। खासकर ट्रांसपोर्टनगर और आसपास के क्षेत्रों के वाहन स्वामियों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर हाल ही में ट्रांसपोर्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसपोर्टनगर स्थित फिटनेस सेंटर आईएनसी को दोबारा शुरू किए जाने की मांग रखी। ट्रांसपोर्टरों की मांग पर इस संबंध में उच्च अधिकारियों और सरकार को पत्र भेजा गया है। वाहन मालिकों को उम्मीद है कि जल्द ही इस पर कोई

सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा, जिससे उन्हें राहत मिल सकेगी। ट्रांसपोर्टनगर इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन सेंटर को दोबारा खोलने के लिए उच्च अधिकारियों और सरकार को पत्र भेजा जा चुका है। अब काम निजी कंपनी के माध्यम से ही कराया जाएगा। सरकार इस पर कब निर्णय लेगी, यह फिलहाल कहना मुश्किल है। बीकेटी में ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम पर प्रतिदिन करीब २६० वाहनों की फिटनेस होती है, जितनी पहले यहां आईएनसी में होती थी।. ..प्रदीप कुमार सिंह, एआरटीओ प्रशासन, लखनऊ

प्राथमिक शिक्षक संगठनों में आपसी खींचतान जारी

लखनऊ। ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर्स फेडरेशन के अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग संगठन की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्राथमिक शिक्षकों का सर्वमान्य संगठन एआईपीटीएफ है। निबंधन विभाग पटना द्वारा अ ल इंडिया प्राइमरी टीचर्स फेडरेशन को विधिमान्य घोषित किया गया है। ऑल इंडिया प्राइमरी टीचर्स फेडरेशन अध्यक्ष के लखनऊ आगमन पर पदाधिकारियों द्वारा लखनऊ स्थित राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद हाल में स्वागत अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि संगठन में दशकों तक अध्यक्ष रहे रामपाल सिंह के निधन होने के बाद कुछ संस्था विरोधी पदलोलुप व्यक्तियों द्वारा संगठन की छवि को धूमिल करने की मंशा से संविधान विरुद्ध कार्य किया जाने लगा। इसी के क्रम में महानिरीक्षक निबंधन विभाग द्वारा संज्ञान लेते हुए आंतरिक गहन जांच और सुनवाई की गई। इस अवसर पर प्रदेशीय संगठन मंत्री अजय सिंह, मंडल मीडिया प्रभारी हेम सिंह, महिला संगठन मंत्री नीलिमा देशवाल, लखनऊ अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह, मंत्री बृजेश कुमार मौर्य संजय मौर्य भीम सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रेरा ने चार जिलों में 13 परियोजनाएं को दी मंजूरी, विकसित किये जायेगें आवासीय एवं व्यावसायिक यूनिट

लखनऊ। रेरा ने रियल एस्टेट को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ, नोएडा, मथुरा और मऊ में १३ परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन जिलों में संबंधित बिल्डरों द्वारा ४४२४ करोड़ के निवेश से १६,३७६ आवासीय एवं व्यावसायिक यूनिट विकसित की जाएंगी। इसमें आवासीय प्लॉट, फ्लैट के साथ व्यावसायिक श्रेणी में स्टूडियो और शॉप खरीदने का लोगों को मौका मिलेगा। शुक्रवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की १६१वीं बैठक हुई। इस दौरान नोएडा में चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें दो व्यावसायिक और दो आवासीय परियोजनाओं में कुल १७,०५१ यूनिट विकसित की जाएंगी। इसी तरह लखनऊ में स्वीकृत चार आवासीय परियोजनाओं में २४१ आवासीय यूनिटों का निर्माण किया जाएगा। मथुरा में चार आवासीय परियोजनाओं में २,०३५ यूनिट विकसित की जाएंगी। इससे मथुरा क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। वहीं, मऊ में एक व्यावसायिक परियोजना को मंजूरी मिली है। इसमें ५२ शॉप बनाकर बेची जाएंगी। यह परियोजना स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी।

गोला नगर पालिका परिषद के सभागार मे ई रिक्शा रूट प्लान पर हुई चर्चा।

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर पालिका परिषद में चेयरमैन विजय शुक्ला रिंकू की अध्यक्षता मे ई रिक्शा रूट निर्धारण, पंजीकरण एवं नियम संबंधी बैठक की गयी। जिसके अंतर्गत रूट निर्धारण, पंजीकरण संबंधी कार्यों को अंतिम रूप दिया गया, जिसे जल्द ही ध रातल पर उतार दिया जायेगा। इस बैठक में गोला कोतवाल अम्बर सिंह, नानक चौकी इंचार्ज योगेश, उपनिरीक्षक युवराज सिंह बालियान, टीएसआई योगेंद्र पाल सिंह एचसीटीपी हरीश कुमार एवं गोला टूरिज्म संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

घने कोहरे की चादर में लिपटा उत्तर प्रदेश, ५० जिलों में मौसम का रेड अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अधिसंख्य जिलों में शनिवार की सुबह घने कोहरे और बर्फीली हवाओं के साथ हुयी। कोहरे का असर पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया से पश्चिम के गाजियाबाद तक देखा गया और इसका प्रतिकूल प्रभाव सामान्य जनजीवन पर पड़ा है। मौसम विभाग ने प्रदेश के ५० जिलों में रेड अलर्ट, १७ जिलों में अ रेंज अलर्ट और आठ जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं ४० जिलों में कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। राहत आयुक्त कार्यालय ने रेड अलर्ट वाले जिलों में १२ करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं को एसएमएस के जरिए मौसम की चेतावनी जारी की है। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर ने आम जनता से अपील की है कि वे मौसम संबंधित चेतावनी को ध्यान में रखते हुए ही यात्रा की योजना बनाएं। ठंड और कोहरे के मद्देनजर कई जिला प्रशासन ने स्कूल के समय में परिवर्तन के निर्देश जारी किये हैं जबकि कुछ एक जिलों में पांचवीं तक के स्कूलों में इंटरनेट के जरिये कक्षायें शुरु करने की योजना है। मौसम के तल्ख तेवर के मद्देनजर चिकित्सकों ने मार्निंग वाकर्स को एहतियात बरतने की सलाह दी है और सूर्य निकलने के बाद ही गर्म कपड़ों में बाहर निकलने को कहा है। हृदय और श्वांस रोग समेत अन्य असाध्य रोगों के मरीजों को डाक्टर के निर्देशानुसार समय से दवा लेने और गर्म कपड़ों में रहने की सलाह दी गयी है। कोहरे का असर सड़क,रेल और हवाई यातायात पर साफ देखा जा रहा है। लंबी दूरी की कई ट्रेने अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से चल रही हैं वहीं सड़कों पर भी वाहन रेंग रेंग कर चल रहे हैं। कोहरे के कारण हवाई सेवा बुरी तरह प्रभावित हुयी है। लखनऊ,वाराणसी समेत कई शहरों में पिछले दिनों कोहरे के चलते उड़ानों को रद्द करना पड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौसम के कारण उपजी प्रतिकूल परिस्थितियों पर पैनी नजर बनाये हुये हैं। उन्होने पिछले दो दिनो में समीक्षा बैठक कर यातायात और जिला प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये हैं। सरकार की ओर से कंबल वितरण, रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए १०७० हेल्पलाइन को सक्रिय रखा गया है। नियंत्रण कक्ष से सभी जिलों में व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार उत्तर भारत से गुजर रही पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से बीते ७२ घंटों में अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ है। लखनऊ में अधिकतम तापमान गिरकर १५.५ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से ७.५ डिग्री कम है। बहराइच में दिन का तापमान १३.४ डिग्री, अयोध्या और बरेली में १४ डिग्री, शाहजहांपुर में १४.४, नजीबाबाद में १४.५, हरदोई में १४.६ और सुल्तानपुर में १४.६ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अत्यंत घने कोहरे के कारण आगरा, बरेली, कुशीनगर और गोरखपुर एयरफोर्स स्टेशनों पर दृश्यता शून्य दर्ज की गई। बहराइच में दृश्यता २० मीटर, फतेहगढ़ और अलीगढ़ में ३० मीटर रही, जबकि लखनऊ एयरपोर्ट पर श्यता १०० मीटर तक सिमट गई। मौसम विभाग ने अगले २४ से ४८ घंटे तक ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना जताई है। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से तापमान में धीरे–धीरे बढ़ोतरी और कोहरे में कमी आने की उम्मीद है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जन सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने टोल प्लाजा पर लाउडस्पीकर से यात्रियों को लगातार सतर्क करने, ओवरस्पीडिंग पर सख्त कार्रवाई, एक्सप्रेसवे पर गश्त बढ़ाने, ब्लैक स्प ट पर विशेष निगरानी और २४ घंटे एंबुलेंस व क्रेन की तैनाती के निर्देश दिए। साथ ही स्ट्रीट लाइट, रिफ्लेक्टर और आपात सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

अखिलेश यादव ने भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की अपनी पुरानी मांग को दोहराया

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की अपनी पुरानी मांग को दोहराया और कहा कि यह समुदाय के सैनिकों की बहादुरी एवं बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अखिलेश यादव ने यहां कई पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अहीर रेजिमेंट की मांग नई नहीं है और इसे पहले भी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया गया था। जिन पूर्व सैनिकों को इस कार्यकम उनमें १९६२ के युद्ध में लड़ने वाले जवान भी शामिल थे। उन्होंने कहा, "आज जब हम इन बहादुर सैनिकों का सम्मान कर रहे हैं, जिन्होंने देश और उसकी जमीन की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना लड़ाई लड़ी, तो हम उनके सम्मान और रेजिमेंट के सम्मान के लिए सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग को भी फिर से दोहराते हैं।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर दूसरी रेजिमेंट बनाने की भी मांगें हैं, तो उन्हें भी आगे आना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि युद्ध में बहादुरी दिखाने वाले जवानों को सम्मानित करने का शनिवार का कार्यक्रम लगभग १० दिन पहले तय किया गया था लेकिन 'इंडिगो' (विमान कंपनी) संकट और संसद सत्र के कारण इसे टाल दिया गया था। उन्होंने भारत की आजादी और देश की रक्षा में योगदान देने वाले सैनिकों से मिलना व उन्हें

सम्मानित करना अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाई गई बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। अखिलेश यादव ने चीन के साथ १९६२ के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि वृत्तचित्र और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि कैसे भारतीय सैनिकों ने रेजांग ला में देश की जमीन की रक्षा के लिए 'आखिरी गोली और आखिरी आदमी तक' लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा, "हर सैनिक को कई दुश्मन सैनिकों से लड़ना पड़ा और उन्होंने भारत की जमीन की रक्षा करते हुए हजारों चीनी सैनिकों का सामना किया।" अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार से खासकर उत्तर प्रदेश में अधिक संख्या नें सैन्य स्कूल स्थापित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि देश में केवल पांच सैन्य स्कूल हैं, जिसमें राजस्थान व कर्नाटक में दो–दो और हिमाचल प्रदेश में एक स्कूल शामिल है जबकि उत्तर प्रदेश में एक भी इस प्रकार का विद्यालय नहीं है।सपा नेता ने कहा, "जब प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री दोनों उत्तर प्रदेश से हैं, तो हमारी मांग है कि लखनऊ, इटावा, कन्नौज और वाराणसी में सैन्य स्कूल खोले जाएं।" इस मौके पर रामचंद्र सिंह नाम के ८७ वर्षीय एक पूर्व सैनिक ने भी अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग की। सिंह के परिवार की चौथी पीढ़ी सेना में सेवा दे रही है।

६० करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में शिल्पा शेट्टी ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

मुम्बई। ६० करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में फंसे ब लीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस मामले में पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दायर करने वाली है। इसी बीच, एक्ट्रेस ने बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड केस को लेकर अ फिशियल बयान जारी किया है और भगवद गीता के श्लोक के जरिए अधर्म और न्याय की बात की है। बेस्ट डील टीवी केस (६० करोड़ की धोखाधड़ी) में शिल्पा शेट्टी का कहना है कि उन पर लगाए सभी आरोप बेबुनियाद हैं और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि "इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख पहुंचा है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन–एग्जीक्यूटिव पद पर था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया कि कई दूसरी जानी–मानी हस्तियों की तरह, मैंने भी होम शॉपिंग चौनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को सिर्फ प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था। मेरे परिवार की तरफ से कंपनी को २० करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और अभी तक रकम को चुकाया नहीं गया है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ शरारती तत्व क्रिमिनल लायबिलिटी की तरफ धकेलने की कोशिश कर रहे हैं,

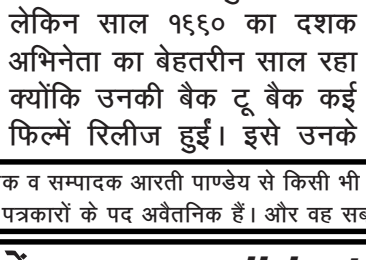

जो कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है। बिना वजह के आरोप न सिर्फ तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि पब्लिक में एक महिला की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं। भगवद गीता का श्लोक याद करते हुए उन्होंने लिखा कि अन्याय का विरोध करना आपका कर्तव्य होता है, अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो ये अपने आप ही एक अधर्म है। उन्होंने आगे लिखा कि माननीय बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है। बता दें कि ६० करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एक व्यापारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया था। व्यापारी का आरोप है कि लोन के रूप में कंपनी को ६० करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन पैसा वापस देने की स्थिति में शिल्पा ने डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया।

गरीबी में हुआ जन्म और राजनीति ने खत्म किया फिल्मी करियरः गोविंदा

मुम्बई। ८० के दशक में कई बड़े हीरो ने पर्दे पर अपने एक्शन और लुक्स से दर्शकों का दिल जीता, लेकिन १९८० में जब पहली बार गोविंदा ने सिनेमा के पर्दे पर एंट्री ली, तो देखते ही देखते दर्शकों के दिलोदिमाग पर छा गए। अभिनेता ने अपने करियर के पीक पर साल में १५–१५ फिल्में साइन की, लेकिन उनकी शुरुआती जिंदगी और करियर दोनों संघर्ष से भरे थे। अभिनेता रविवार को अपना ६२वां जन्मदिन मनाएंगे। हिम्मत और मेहनत के जरिए इंसान पहाड़ को भी झुका सकता है, इस कहावत को गोविंदा ने सार्थक किया। अभिनेता का जन्म गरीबी में हुआ, जब उनके परिवार और पिता हवेली से चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता के पिता अरुण आहूजा १९४० के दशक के अभिनेता थे जिन्होंने 'औरत' और 'एक ही रास्ता' जैसी फिल्मों में काम किया था। अभिनेता के पिता ने फिल्में प्रोड्यूस की और यही कारण था जिसकी वजह से वे अपने परिवार के साथ चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता की फिल्में डूबने लगीं

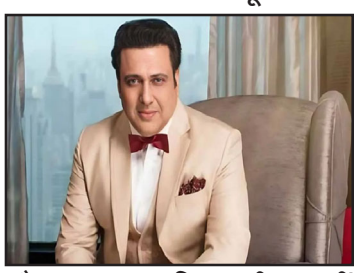

और उनका करियर भी। इन्हीं दुख और परेशानी के समय गोविंदा का जन्म हुआ। गोविंदा को उनके घर में प्यार से 'चीची' बुलाते हैं। ये प्यारा नाम उनकी मां ने उन्हें दिया क्योंकि वे घर में सबसे छोटे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता की मां का मानना था कि वे भगवान श्री कृष्ण की तरह सारी परेशानी को सबसे छोटी उंगली पर उठा लेंगे और वैसा ही हुआ। अपने परिवार को गरीबी से निकालने में गोविंदा का बड़ा हाथ रहा। करियर की शुरुआत में अभिनेता को एक्टर बनना था लेकिन उनसे डांस सीखने के लिए कहा गया। जावेद जाफरी के शो 'बूगी–वूगी' में अभिनेता ने खुलासा किया था कि उन्हें जावेद जाफरी का वीडियो दिखाकर डांस सीखने की सलाह दी गई थी और उनके वीडियो देखकर ही उन्होंने शुरू में डांस सीखा था, लेकिन बाद में कोरियोग्राफर सरोज खान ने उन्हें डांस की तालीम दी। १९८६ में आई फिल्म 'इल्जाम' से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन साल १९९० का दशक अभिनेता का बेहतरीन साल रहा क्योंकि उनकी बैक टू बैक कई फिल्में रिलीज हुईं। इसे उनके करियर का स्वर्णिम काल कहा गया। उनकी 'हीरो नंबर १', 'साजन चले ससुराल', 'राजा बाबू', और 'कुली नंबर १' जैसी फिल्में सुपरहिट हुईं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपने सफल करियर के समय अभिनेता एक फिल्म का १ करोड़ रुपये चार्ज करते थे। साल २००४ में अभिनेता ने राजनीति में कदम रखा। वे कांग्रेस में शामिल हुए और नॉर्थ मुंबई से चुनाव जीता और इसके बाद फिल्मी करियर में गिरावट का दौर शुरू हो गया। अभिनेता ने खुद स्वीकारा कि राजनीति में आने की वजह से उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और पार्टी के कुछ राजनेता ही उनके दुश्मन बन गए थे। अभिनेता ने ये तक कहा था कि उनकी फिल्मों को राजनेताओं के जरिए रिलीज होने से रोका गया।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।